केवल मूल्यांकनकर्ता के उपयोग हेतु!

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

32 पृष्ठीय

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे। प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)	प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1			17		
2			18		
3			19		
4			20		
5			21		
6			22		
7			23		
8			24		
9			25		
10			26		
11			27		
12			28		
13					
14					
15					
16					

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जाव ➔

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ➔

प्रमाणित किया जाता है कि अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्राः नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
KANADE 56147	SHYAM PATEL KNW/2024/037 JYOTI SINGH पं.क्र. 35610221

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 01 का उत्तर

(अ) असत्य

(ब) सत्य

(स) सत्य

(द) असत्य

(इ) सत्य

(फ) सत्य

BSE

प्रश्न क्र. 02 का उत्तर

I	II
(अ) श्वास नलिका का ऊपरी भाग -	कण्ठ

③ 6 + 7 = 13

पृष्ठ 3 के अंक

BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

(ब) लिंग परीक्षण माना जाता है - कानूनी अपराध

(स) रजोधर्म प्रारम्भ होने की आयु - 14 से 21 वर्ष

(द) वर्धी प्रजनन द्विखण्डन

(इ) अम्ल वर्षा - वायु प्रदूषण

B S E

प्रश्न क्र. 03 का उत्तर

(अ) रक्त → रक्त एक तरल संयोजी ऊतक है, जिसका 10 % अंश ठोस एवं 90 % अंश जलीय होता है। यह एक अपारदर्शी क्षारीय द्रव है।

(ब) मानव शरीर में ज्ञानेन्द्रियों की संख्या 05 होती है,

(स) श्वास दिलाने के लिए ~~ऑक्सीजन का प्रयोग किया जाता है~~ / ~~एवं~~ कृत्रिम श्वसन का प्रयोग किया जाता है।

FSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MA

प्रश्न क्र.

(द) पर्यावरण → हमारे चारों ओर एक आवरण होता है उसे पर्यावरण कहा जाता है।

या

हमारी पृथ्वी के इर्द-गिर्द चारों एक ~~स्व~~ आवरण, जो चादर के समान ढका हुआ है उसे "पर्यावरण" कहते हैं।

जिसमे हवा, पानी, नदिया, पहाड़, जंगल, पेड़-पौधे, आदि सम्मिलित है।

(इ) मनुष्य के मस्तिष्क को तीन (03) भागों मे बांटा गया है,

1) अग्रमस्तिष्क 2) मध्यमस्तिष्क 3) पश्च~~मस्त~~ मस्तिष्क

प्रश्न क्र. 04 का उत्तर

(अ) 100 - 120 दिन 1

(ब) अशुध्द रक्त 1

(स) दो 1

(द) ~~3~~ आयोडीन 1

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

(इ) दो।

(फ) एड्स।

प्रश्न क्र. 05 का उत्तर

(अ) आमाशय

(ब) वृषण

(स) दृष्टेन्द्रियाँ

(द) हाइड्रोफोबिया

(इ) पक्ष्म [कशाभिका]

(फ) प्रदूषण

6

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 06 का उत्तर

कोशिका भित्ति - जीवाणु और कोशिकाओं में कोशिका भित्ति पाई जाती है। कोशिका भित्ति के कारण से जीवाणु और कोशिकाओं में फैलना और सिकुड़ना होता है। वरन कोशिका भित्ति के अभाव में जीवाणु [illegible] लेयर से दूसरी लेयर में चिपक जाएंगे।

प्रश्न क्र. 07 का उत्तर (अथवा)

बालक - बालिका मे समानता के लिए निम्न प्रयास किए जाने चाहिए।

1. बालक - बालिका को एक ही विद्यालय में पढ़ाना चाहिए। जिससे बालिकाओं मे हीन भावना का संचार ना हो।

2. जितनी घूमने की, घर से बाहर जाने आदि की छूट लड़को को माता - पिता देते है, उतनी ही छूट माता - पिता को लड़कियों को भी देनी चाहिए।

3. लड़का - लड़की दोनो को सपनों। लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए

29 + 4 = 33

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रोत्साहित करना चाहिए।

प्रश्न क्र. 08 का उत्तर

रक्त प्लाज्मा के दो कार्य निम्न है।

1) प्लाज्मा मे उपस्थित फाइब्रिनोजन एवं प्रोथ्रोम्बिन रक्त का [illegible] जमाने मे मदद करते है। अत्यधिक रक्त बहने [illegible] मनुष्य की मृत्यु भी हो सकती है।

2) [illegible] प्रतिविब के प्रति प्रतिपिण्डिका को बनाने मे सहायक है।

प्रश्न क्र. 09 का उत्तर

[illegible] प्रत्येक जीव के लिए महत्वपूर्ण है। मनुष्य, पेड़-पौधे, [illegible] जीवित जन्तु, आदि श्वसन के बिना जीवित नहीं रह सकता। श्वसन का अर्थ है कि शुद्ध वायु का शरीर मे जाकर जटिल कार्बनिक पदार्थ का ऑक्सीकरण कर सरल यौगिक मे बदलना। जो भी अशुद्ध वायु शरीर मे रहती है श्वसन छोड़ते समय शरीर से बाहर निकल जाती है।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

और शुद्ध वायु शरीर में जाकर शरीर के कार्यों को करती है।

इसलिए श्वसन का अत्यधिक महत्व है।

प्रश्न क्र. 10 का उत्तर

लाबोर्ड विधि -> लाबोर्ड विधि कृत्रिम श्वसन के चार प्रकारों में से एक है। यह क्रिया थोड़ी जटिल है, जिसमें कृत्रिम श्वसन देने वाले व्यक्ति को धैर्य से काम लेना होता है।

लाबोर्ड विधि इस प्रकार है कि कृत्रिम श्वसन जिस व्यक्ति को देना है, उसे चित लेटा देना चाहिए, फिर एक साफ कपड़े से उसकी जीभ पोंछ देनी चाहिए, उसके बाद कृत्रिम श्वसन देने वाले व्यक्ति को उसकी जीभ दो सेकण्ड तक पकड़कर रखे, फिर थोड़ी देर छोड़ दें। ऐसा कम से कम 10-15 बार करें, यदि दो व्यक्ति हो तो बारी - बारी से इस प्रकार करें। प्राकृतिक श्वसन आने के बाद भी 4-5 बार इस क्रिया को करें।

इस विधि मे धैर्य धारण करना अति आवश्यक है।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 11 का उत्तर

निकट दृष्टिदोष के लक्षण -

1. आँखों मे जलन होती है,

2. आँखें लाल पड़ जाती है,

3. सिर दर्द अधिक होता है।

4. आँखों से पानी बहने लगता है,

5. दूर की वस्तुए स्पष्ट नहीं दिखती है,

प्रश्न क्र. 12 का उत्तर

किशोरावस्था की दो विशेषताएं निम्न है।

1. जनन ग्रन्थियां विकसित नहीं होती है।

2. किसी भी जटिल या गहन बात को समझने की समझ नहीं होती है।

+ =

पृ० 10 के अंक कुल अंक

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

B S E

प्रश्न क्र. 13 का उत्तर

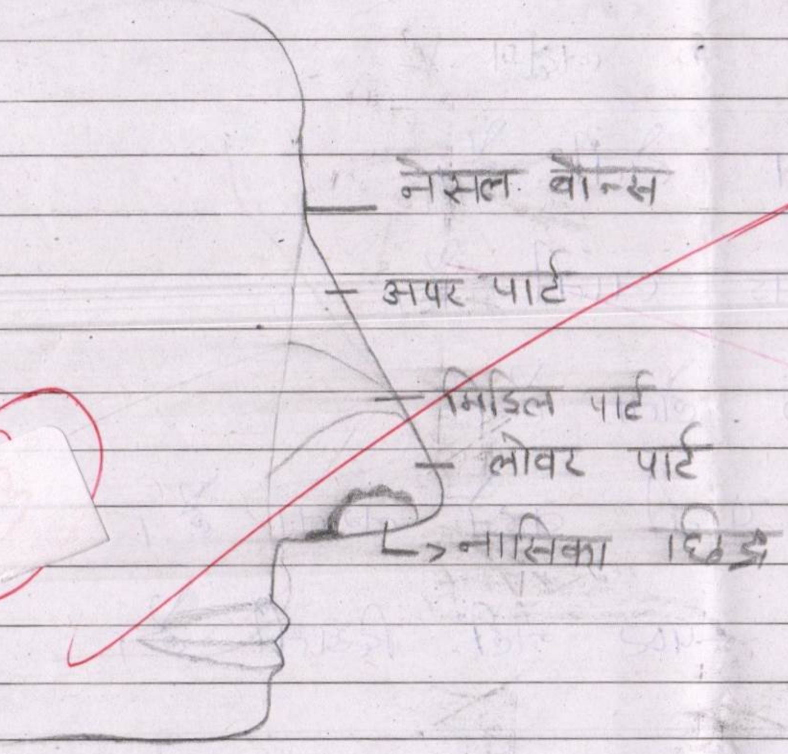

चित्र - मानव नासिका

योग पूर्व पृष्ठ पृष्ठ 11 के अंक
माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश
BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 14 का उत्तर

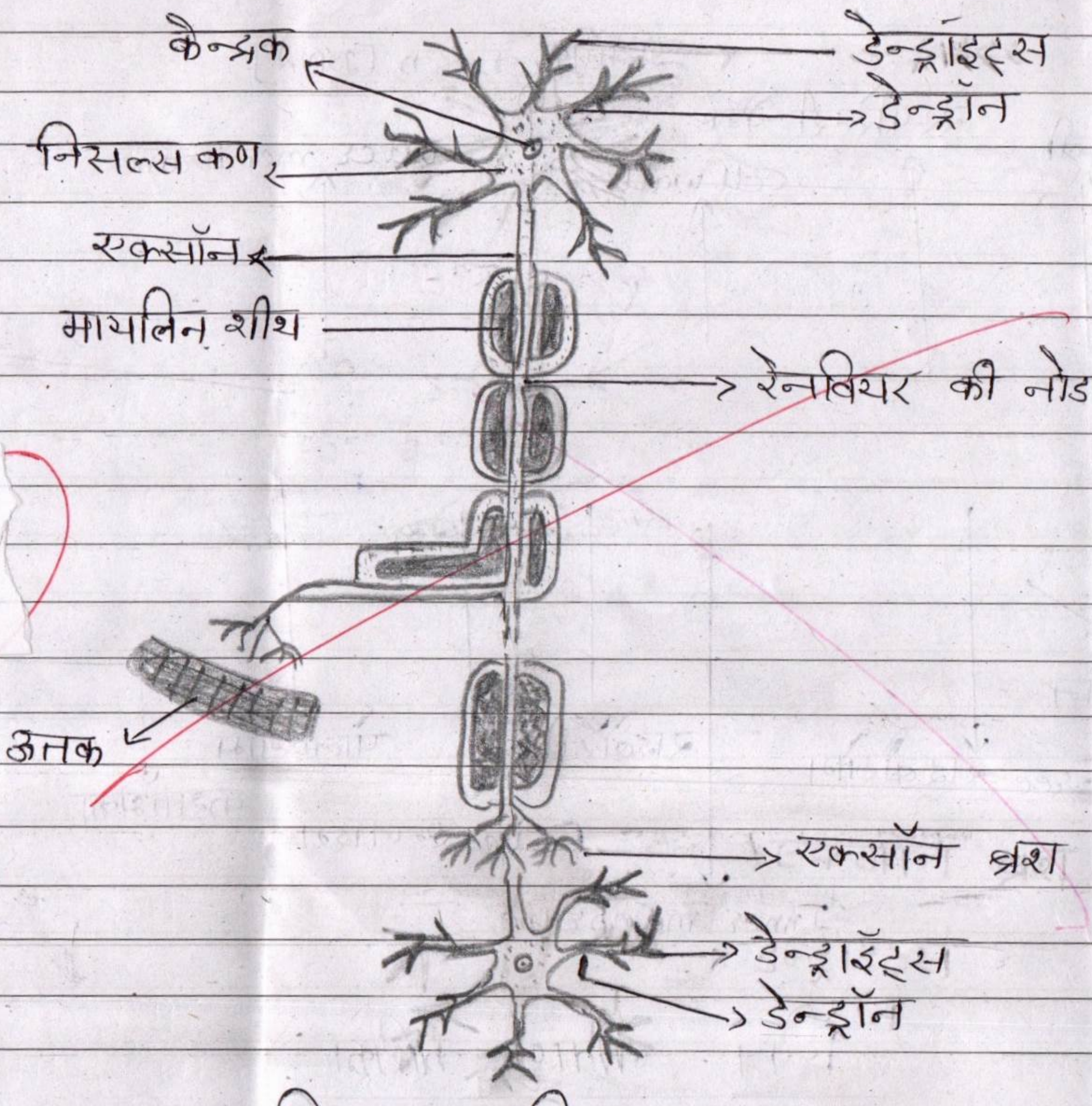

चित्र → तंत्रिका ऊतक

B
S
E

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL
मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

B
S
E

प्रश्न क्र. 15 का उत्तर

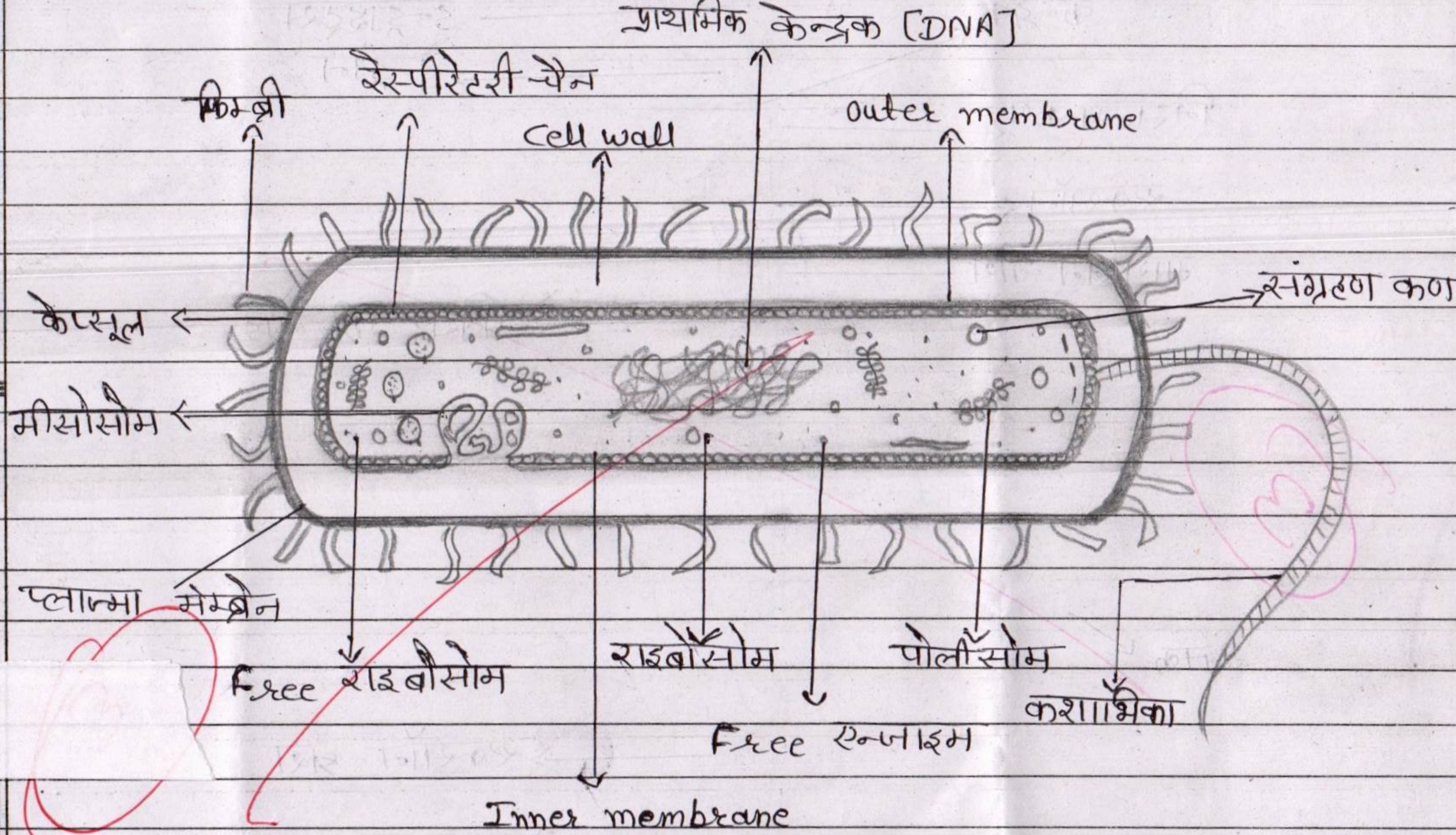

चित्र - जीवाणु कोशिका

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 16 का उत्तर

पीलिया रोग के कारण - पीलिया रोग शरीर बिलीरुबिन की अधिकता के कारण होता है,

लक्षण -
1) आँखे पीली हो जाती है,
2) जी घबराता है,
3) बुखार तेज चढ़ता है,
4) पहले सप्ताह मे बुखार 101° से 102° तक पहुंच जाता है,
5) दूसरे सप्ताह बुखार 103° से 104° तक बढ़ जाता है,
6) दस्त, उल्टी होने लगती है,
7) चेहरा लाल पड़ जाता है,
8) रोगी सुस्त हो जाता है,
9) ठण्ड लगती है,
10) रोगी को भोजन ग्रहण करने मे असहायता होती है,

पीलिया रोग के उपचार -
1) रोगी को डॉक्टर की सलाह से दवाई - गोली देनी चाहिए,
2) यदि आवश्यक हो तो अस्पताल मे भर्ती कर देना चाहिए,

B
S
E

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

ठंडे पानी की पट्टी रखनी चाहिए।
3) रोगी की देखभाल अच्छी तरह करनी चाहिए,
4) रोगी को अधिक द्रव पीने देना चाहिए।
5) रोगी के मल को जला देना चाहिए।
6) रोगी को खुले मे शौच नहीं करने देना चाहिए,
7) शौचालय से निकलने के बाद हाथों को अच्छी तरह
8) धोने देना चाहिए,

प्रश्न क्र. 17 का उत्तर [अथवा]

प्राथमिक चिकित्सा के सिध्दांत चार निम्न है।-

1. डॉक्टर के आने से पहले रोगी का ख्याल रखना।
डॉक्टर के आने पर उन्हें रोगी से सम्बन्धित सभी जानकारी देना।
रोगी के साथ उसकी चोट का अच्छा करने के लिए सहयोग प्रदान करना।
4. सीमित साधन, यदि आवश्यक सामग्री उपलब्ध न हो तो, उन्हीं से ट्रीटमेन्ट करना।
5. मरहम पट्टी कर रोगी को आराम पहुंचाना,
6. उपर्युक्त चोट का सही ढंग से इलाज करना,

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 18 का उत्तर

एड्स के कारण → असुरक्षित यौन सम्बन्ध के कारण।

1) वेश्याओं से यौन सम्बन्ध के कारण,
2) दूषित सूई एवं सिरीज के कारण,
3) दूषित माता के गर्भ मे पल रहे बच्चे को भी होता है।
4) दूषित कैंची, ब्लेड आदि के कारण,
5)

~~एड्स के लक्षण →~~

एड्स के बचाव → इसके लक्षण पता लगते है तुरन्त ख्याल करवाए,

1) दूषित सूई या सिरीज का उपयोग करने से बचे, एवं लोगों को जाग्रत करें,
2) कैंची, ब्लेड का उपयोग केवल स्वयं करें,
3) न दूसरे के ब्लेज उपयोग मे लाए एवं दूसरों को न दे।
4) यौन सम्बन्ध बनाने से बचे,
5) समय - समय पर जानलेवा रोग की जांच करवाते रहे।
6) समय - समय पर कैंची, ब्लेड का विसंक्रमण करते रहे।

BSE

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र. 19 का उत्तर

	धमनी	शिरा
	इसमें शुद्ध लाल रंग का चमकीला रक्त बहता है।	इसमें अशुद्ध बैंगनी या नीले रंग का रक्त बहता है।
	फुफ्फुस धमनी में अशुद्ध रक्त बहता है। शेष धमनियों में शुद्ध रक्त बहता है।	फुफ्फुस शिरा मे शुद्ध रक्त शेष शिराओं मे अशुद्ध रक्त बहता है।
3.	इसमें रक्त झटके के साथ बहता है।	इसमें रक्त एक ही गति से बहता है।
4.	इसमें कपाट का अभाव रहता है।	इसमें कपाट पाए जाते है।
5.	यह हृदय से शरीर के सभी अंगो मे रक्त पहुंचाती है।	यह शरीर के सभी अंगो से अशुद्ध रक्त हृदय मे शुद्ध करने के लिए लाती है।
6.	धमनी की दीवारे मोटी होती है।	शिरा की दीवारे पतली होती है।

63 + 4 = 67

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 17 के अंक | कुल अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 20 का उत्तर (अथवा)

अनुलोम - विलोम प्राणायाम के लाभ -

1) इस प्राणायाम से शरीर की अशुद्ध वायु [CO_2] बाहर निकल जाती है।
मन स्थिर रहता है।
2) पाचन तंत्र के अंग सक्रिय हो जाते है।
3) पाचन मे अव्यवस्था नहीं होती है।
4) मन - मस्तिष्क मे स्फूर्ति रहती है।
5) मन शान्त रहता है।
6) दिन की शुरूआत अच्छी होती है।
7) गैस की शिकायत नहीं रहती।
8)

4